जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 282 प्रभात जालोर, गुरूवार 16 जनवरी, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'मेरी लड़ाई अंततोगत्वा इंडियन स्टेट के खिलाफ है'

राहुल गांधी ने इसका कारण बताते हुए कहा कि भाजपा-आरएसएस ने सरकार के सभी अंगों पर नियंत्रण कर लिया है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जनवरी। आज सुबह सोनिया गांधी ने वरिष्ठ पार्टी नेताओं, सीडब्ल्यूसी सदस्यों तथा अन्य पार्टी पदाधिकारियों की मौजूदगी में कांग्रेस के नये मुख्यालय का उद्घाटन किया।

लेकिन इस अवसर पर, कांग्रेस को "कवर" करने वाले मीडिया को आमंत्रित नहीं किया गया तथा जिन लोगों को उनके चैनलों ने लाइव कवरेज के लिए भेजा था, उन्हें बाहर ही रोक दिया गया, गेट के अंदर नहीं आने दिया गया।

गौरतलब बात यह है कि इस समारोह में पार्टी कार्यकर्ता तक आमंत्रित नहीं किये गये तथा वे भी कांग्रेस पार्टी इस नये मुख्यालय, इंदिरा भवन के बाहर ही रोक दिये गये।

राहुल गांधी ने अपने भाषण में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर कड़ा प्रहार किया, लेकिन जब वे अपने भाषण में भाजपा, आरएसएस तथा इंडियन स्टेट से लड़ने की बात कर रहे थे, उस समय खुद ही संकट में फँस गये।

- कांग्रेस के नए मुख्यालय के उद्घाटन के अवसर पर दिए गए भाषण में राहुल ने भागवत और भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि उनकी लड़ाई भाजपा और आरएसएस के तौर-तरीकों के खिलाफ है, जिस तरह से उन्होंने सरकार के विभिन्न अंगों पर कब्जा कर लिया है। एक तरह से उनकी लड़ाई "इंडियन स्टेट" के खिलाफ है।
- राहुल गांधी ने यह टिप्पणी मोहन भागवत के इस बयान पर की थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत 1947 में आज़ाद नहीं हुआ, बल्कि उस दिन हुआ जिस दिन राम मंदिर का निर्माण हुआ।

उन्होंने अपने भाषण में कहा कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि भारत 1947 में आज़ाद नहीं हुआ था, बल्कि उस दिन आज़ाद हुआ, जिस दिन अयोध्या में राम मंदिर बना।

राहुल ने कहा कि भागवत मूलरूप से आज़ादी की लड़ाई, संविधान द्वारा कानून के शासन तथा इस तथ्य को नकार रहे हैं कि लाखों स्वतंत्रता सेनानियों ने अंग्रेजों से लड़ने तथा उन्हें देश से भगाने के लिये अपना जीवन कुर्बान नहीं किया।

इस बारे में बोलते हुये, राहुल ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जैसलमेर में कुरजा पक्षियों में बर्ड फ्लू मिला

जैसलमेर, 15 जनवरी (नि.सं.)। जैसलमेर में पिछले दिनों मृत मिले कुरजां पक्षियों (डेमोइसेल क्रेन) की मौत बर्ड फ्लू से हुई है। भोपाल लैब से बुधवार को आई जांच रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। जांच रिपोर्ट में कुरजा पक्षियों की मौत का कारण बर्ड फ्लू बताया गया है। लैब से आई रिपोर्ट के बाद प्रशासन अलर्ट मोड पर है।

जैसलमेर जिला प्रशासन ने देगराय ओरण इलाके के लुणेरी तालाब क्षेत्र को इंफेक्टेड हॉटस्पॉट एरिया घोषित कर दिया है। संक्रमण को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। पशुपालन विभाग, वन विभाग और चिकित्सा

- जिला प्रशासन ने देगराय ओरण इलाके के लूणेरी तालाब क्षेत्र को इंफैक्टेड हॉटस्पॉट घोषित किया।

विभाग के अधिकारियों को मिलाकर एक संयुक्त टीम बनाई गई है। टीम हॉटस्पॉट एरिया में गश्त और निगरानी का काम कर रही है। इसके साथ ही, प्रवासी पक्षियों के झुंड पर भी नजर रखी जा रही है। इसके अलावा, संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए क्षेत्र में केमिकल का छिड़काव किया जाएगा।

गौरतलब है कि जैसलमेर के देगराय ओरण इलाके के तालाब क्षेत्र में 11 जनवरी को 6 कुरजा पक्षियों के शव मिले थे। इसके बाद 12 जनवरी को 2 कुरजा पक्षी मृत मिले थे। सभी 8 मृत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'गांधी का बयान सबूत है कि उनके शहरी नक्सलियों और डीप स्टेट से निकट संबंध हैं'

भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने यह टिप्पणी करते हुए कहा कि राहुल भी शहरी नक्सलियों व डीप स्टेट की तरह भारत को बदनाम करना चाहते हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जनवरी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बर्र के छत्ते को छेड़ दिया है उन्होंने आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत की आलोचना कर विवाद खड़ा कर दिया है। भागवत ने कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को भारत की वास्तविक आज़ादी के दिन के रुप में मनाया जाना चाहिए।

इंदिरा गांधी भवन के उद्घाटन के समय राहुल गांधी ने कहा कि भागवत की टिप्पणी देशद्रोह के समान है किसी और देश में होते तो उन्हें गिरफ्तार किया जाता और उन पर मुकदमा चलता।

कांग्रेस नेता के संघ प्रमुख पर हमले पर भाजपा के उन पर जवाबी हमला किया इस पर विपक्षी दल के कांग्रेस से भी कोई कसर नहीं छोड़ी।

भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कहा, कांग्रेस का गंदा सच उनके नेता ने ही उजागर कर दिया। नड्डा ने एक्स पर

- नड्डा ने एक्स पर कहा कि यह ही है कांग्रेस का घिनौना सच, जो उनके नेता राहुल ने उजागर किया है कि वे "इंडियन स्टेट" से लड़ रहे हैं। इसके लिए मैं उन्हें बधाई देता हूँ।
- अमित मालविय ने कहा कि राहुल ने अब इंडियन स्टेट के खिलाफ खुला युद्ध छेड़ दिया है, यह जॉर्ज सोरोस का असर है।
- कांग्रेस भी जवाब देने में पीछे नहीं रही और पार्टी के मीडिया सैल के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, देश को अंग्रेजों से आज़ादी दिलाने वाली गांधी की विचारधारा को सड़ा हुआ बताने वालों की अपनी विचारधारा सड़ चुकी है।

लिखा, "मैं राहुल गांधी की सराहना करता हूँ कि उन्होंने खुद ही यह बात साफ-साफ कह दी जो पूरा देश जानता है, वे भारत सरकार से ही लड़ रहे हैं। अब यह किसी से छिपा नहीं है कि गांधी और उनके इकोसिस्टम शहरी नक्सलियों व "डीप स्टेट" से निकट संबंध है जो भारत को बदनाम करना चाहते हैं, भारत की छवि खराब करना चाहते हैं।

कांग्रेस ने बुधवार को भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा द्वारा की गई राहुल की आलोचना पर पलटवार किया और कहा कि "रॉटन सीक्रेट सोसायटी" का टाइम खत्म हो गया है।

राहुल के बयान, "अब हम भाजपा, आरएसएस और इंडियन स्टेट से लड़ रहे हैं, पर बवाल मच गया है। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस का गंदा सच उनकी पार्टी के नेता ने ही उजागर कर दिया है।

नड्डा पर पलटवार करते हुए कांग्रेस के मीडिया प्रकोष्ठ के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, आपसे ज्यादा सड़ा हुआ कुछ नहीं है गांधी की विचारधारा, जिसने देश को ब्रिटिशराज से आज़ादी दिलाई, को आप सड़ा हुआ कहते हैं। अब रॉटन सीक्रेट सोसायटी का टाइम खत्म हो गया है।

भाजपा की आईटी शाखा के मुखिया अमित मालविया ने कहा, राहुल गांधी ने अब "इंडियन स्टेट" से लड़ाई छेड़ दी है। यह जॉर्ज सारॉकी की किताब से लिया गया सबक हैं।

भागवत ने मंगलवार रात इंदौर में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को नैशनल देवी अहिल्या अवॉड दिया था, उसी समारोह में भाषण देते हुए भागवत ने कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण दिवस को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मार्क ज़ुकरबर्ग के माफी मांगने के बाद भी यह मुद्दा संसद में उठाना कोई महत्व नहीं रखता

बल्कि ऐसा करके संसदीय समिति ने मार्क ज़ुकरबर्ग को बेवजह "पब्लिसिटी" दे दी है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जनवरी। इंटरनेट आधारित सोशल मीडिया कंपनियों और उनके शीर्ष अधिकारियों द्वारा की गई टिप्पणियों या उनके प्लेटफार्मों पर की गई पोस्टों को सरकार की नीतियों पर औपचारिक बयान या आधिकारिक घोषणाओं के रुप में लिया जा रहा है। राजनेता और टिप्पणीकार, दोनों ही इन प्लेटफार्मों पर दिखाई दे रही पोस्टों पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

मैटा के सीईओ, मार्क ज़ुकरबर्ग की, 2024 के चुनावों पर की गई टिप्पणियों ने पूरे भारतीय राजनीतिक वर्ग को उत्तेजित कर दिया था और ज़ुकरबर्ग और उनकी कंपनी से जवाब की मांग की गई थी।

- इस प्रकरण से एक बात स्पष्ट है कि भारतीय नेता सोशल मीडिया टिप्पणियों को जरूरत से ज्यादा महत्व देते हैं।
- इसी प्रकार एक्स (पूर्व में ट्विटर) के मालिक एलन मस्क अमेरिका की विदेश नीति के संबंध में आए दिन बयान देते रहते हैं और भारतीय नेता इन्हें इतनी गंभीरता से ले रहे हैं, मानो ये अमेरिका की अधिकृत टिप्पणियां हैं।

लेकिन अब, जब मैटा, जो कि एक लोकप्रिय मीडिया प्लेटफॉर्म की पेरेंट कंपनी है, ने 2024 के चुनावों पर अपने सीईओ की टिप्पणियों के लिए माफी मांग ली है, तो संसद में इस पर जो भारी शोर मचाया गया था, वह अब बेमानी लगता है।

मैटा के सीईओ ने टिप्पणी की थी कि कोविड महामारी के बाद, 2024 के चुनावों में कई देशों में सत्ताधारी पार्टियां दोबारा नहीं चुनी गईं। मैटा ने स्पष्ट किया कि यह टिप्पणी कई अन्य देशों के लिए सही थी, लेकिन भारत के लिए सही नहीं थी।

मार्क ज़ुकरबर्ग, मैटा के सीईओ, स्पष्ट रुप से 2024 चुनाव परिणामों के बारे में सही जानकारी से अवगत नहीं थे। अतः इस टिप्पणी को गंभीरता से लेने के बजाय, इसे यहीं छोड़ देना चाहिए था। इसके बजाय, ज़ुकरबर्ग की टिप्पणियों पर की गई प्रतिक्रियाएं उनके पक्ष में काम कर गईं, क्योंकि, उन्हें भारतीय संसद और मीडिया में अनुचित तवज्जो मिली।

यह पूरा घटनाक्रम और इसे मिली तवज्जो इस बात का संकेत देती है कि राजनेता सोशल मीडिया पर जो चल रहा है, उसे कितनी गंभीरता से लेते हैं। परिणामस्वरुप, राजनेता और उनके साथी इन संगठनों को कहीं अधिक महत्वपूर्ण बना रहे हैं।

इसी तरह, दूसरा सोशल मीडिया दिग्गज, एक्स, अमेरिका की राजनीति के लिए एक और प्रैशर पॉइंट बन गया है। डॉनल्ड ट्रम्प कुछ दिनों में सत्ता की बागडोर संभालने वाले हैं, इसलिए अब सभी की नजरें एक्स पर डाली जा रही पोस्ट पर हैं, जिससे यह संकेत मिले कि अमेरिका की नीति की क्या दिशा हो सकती है।

एलन मस्क, एक्स के सीईओ, को ट्रम्प प्रशासन के सबसे महत्वपूर्ण नीति विशेषज्ञ के रुप में लिया जा रहा है। उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की गई पोस्टों को आने वाली ट्रम्प प्रशासन की नीतियों के अंतिम बयान और संकेत के रुप में देखा जा रहा है।

इन टिप्पणियों को भविष्य की नीतियों के संकेत के रुप में नहीं लिया जाना चाहिए, जिससे कन्फ्यूज़न कम हो।

हाई कोर्ट ने समरावता प्रकरण की केस डायरी मंगवायी

जयपुर, 15 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने देवली-उनियारा विधानसभा सीट के उपचुनाव के दौरान निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा की ओर से एसडीएम से मारपीट के बाद समरावता में हुए उपद्रव को लेकर दर्ज एफआईआर की केस डायरी तलब की है। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने ये आदेश नरेश मीणा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- देवली-उनियारा सीट के निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा की जमानत याचिका पर हाई कोर्ट ने यह निर्देश दिये हैं।

याचिका में अधिवक्ता डॉ. महेश शर्मा और अधिवक्ता फतेह राम मीणा ने बताया कि उप चुनाव के दौरान एसडीएम से मारपीट के आरोप में याचिकाकर्ता को गिरफ्तार किया गया था। वहीं, बाद में पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच गतिरोध बना था। इस पर टोंक के नगरफोर्ट थाना पुलिस ने याचिकाकर्ता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

24, अकबर रोड, से कांग्रेस की 47 सालों की कई स्मृतियां जुड़ी हैं

कांग्रेस के सात अध्यक्षों, जिनमें से चार गांधी परिवार के हैं, के कार्यकाल का गवाह रहा है, 24, अकबर रोड

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जनवरी। सोनिया गांधी बुधवार को नई दिल्ली में कांग्रेस के नए मुख्यालय 9 ए कोटला रोड का उद्घाटन किया।

नया स्टेट ऑफ आर्ट एआईसीसी मुख्यालय इंदिरा गांधी भवन कांग्रेस पार्टी ने अपने प्रमुख नेताओं के विज़न को कायम रखने के मिशन का प्रतीक है।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा किया गया उद्घाटन उस पार्टी के इतिहास का एक महत्वपूर्ण पल है अवसर है, जिसने 47 साल तक 24 अकबर रोड मुख्यालय से काम किया था।

इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, के.सी. वेणुगोपाल व अन्य वरिष्ठ पार्टी नेता मौजूद थे।

इस दौरान नए मुख्यालय पर पार्टी

- यह भवन कभी आर. मैक्सवैल का घर था, जो कि वायसरॉय लॉर्ड लिनलिथगो की कैबिनेट के सदस्य थे।
- म्यांमार की नेता आँग सान सू की अपनी किशोरावस्था में यहाँ रही थीं, तब उनकी माँ म्यामांर की राजदूत की हैसियत से यहाँ रहती थीं।
- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, यद्यपि नए भवन को समय की जरूरत बता रहे हैं पर वे 24, अकबर रोड से गहरा भावनात्मक लगाव महसूस करते हैं। उनकी भावनाएं। इस अवसर पर नज़र आईं।

का झंडा फहराया गया वंदेमातरम तथा राष्ट्र गीत गाया। सोनिया गांधी ने भवन के उद्घाटन का रिबन काटा और इसमें मल्लिकार्जुन खड़गे को भी साथ लिया।

एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा अब समय आ गया है आगे बढ़ें और नवीनता को अपनाएं। इस भवन का निर्माण शुरु हुआ था जब सोनिया पार्टी अध्यक्ष थी।

वेणुगोपाल ने कहा 9 ए, कोटला रोड स्थित इंदिरा भवन का डिजाइन ऐसा है कि यह पार्टी व इसके नेताओं की बदलती जरुरतों को पूरा कर सके और इसने पार्टी की प्रशासनिक संगठनात्मक और रणनीतिक गतिविधियों को सहायता देने के लिए आधुनिक सुविधाएं हैं। उन्होंने कहा, नया भवन पार्टी की प्रगतिवादी सोच को दर्शाता है साथ ही भव्य अतीत के प्रति श्रद्धावनत भी नज़र आता है।"

सूत्रों ने कहा है कि पार्टी अपने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मनीष सिसोदिया, सत्येन्द्र जैन ने नामांकन भरा

नयी दिल्ली, 15 जनवरी। आम आदमी पार्टी (आप) के जंगपुरा से प्रत्याशी मनीष सिसोदिया और शकूरबस्ती से सत्येन्द्र जैन ने बुधवार को अपना-अपना नामांकन किया।

सिसोदिया ने कहा, आपके बीच आपका आशीर्वाद लेने आया हूं। आपके आशीर्वाद से विधायक बनकर दिल्ली सरकार में बैठूंगा तो जंगपुरा के सारे

- सिसोदिया ने आरोप लगाया कि भाजपा के पास केवल दिल्ली की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी थी, उनसे वह भी नहीं संभल पाई।

काम तेजी से होंगे और किसी भी काम के लिए फंड की कमी नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास कुछ बताने के लिए नहीं है। दिल्ली में कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी उनकी है। अगर कहीं कोई एनजीओ या कोई व्यक्ति कुछ कर रहा है तो वे लोग क्या कर रहे थे? क्या ये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीएजी रिपोर्ट के बाद भी सट्टा बाज़ार ने दिल्ली में आप को बहुमत मिलने की भविष्यवाणी की

सट्टा बाज़ार के अनुसार, 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा में आप को 37 से 39 सीटें मिल सकती हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जनवरी। एक तरफ तो कॉम्पट्रोलर एण्ड ऑडिटर जनरल (सी.ए.जी.) ने, रद्द हो चुकी आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं के कारण 2026 करोड़ रूपए की आय के नुकसान की बात कही है, वहीं, फलौदी सट्टा बाज़ार ने आगामी 5 फरवरी 2025 को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए अपने अनुमानों को अपडेट किया है।

बाज़ार ने आप को मिलने वाली सीटों की संख्या में महत्वपूर्ण कमी दर्शाते हुए 37 से 39 सीटों पर पार्टी की विजय की भविष्यवाणी की है। सन् 2020 की तुलना में यह लगभग 63 प्रतिशत की भारी कमी है। सन् 2020 में हुए चुनावों में आम आदमी पार्टी ने 70 सीटों वाली विधानसभा में 62 सीटें हासिल की थीं।

राजस्थान के जोधपुर जिले के शहर फलौदी स्थित, फलौदी सट्टा बाज़ार, भारत के सर्वाधिक विख्यात सट्टा बाज़ारों में एक है। चुनावों की परख तथा राज्य एवं केन्द्र के चुनावों में पार्टियों को मिलने वाली सीटों के अनुमान के लिए बड़ी संख्या में लोग इस बाज़ार की भविष्यवाणियों पर नज़र रखते हैं। इसकी भविष्यवाणियाँ अक्सर जमीनी स्तर पर किए गए सर्वे, जनभावना तथा ऐतिहासिक वोटिंग पैटर्न पर आधारित होती हैं।

फलौदी सट्टा बाज़ार ने 25 से 35

- आंकलन के अनुसार, भाजपा की स्थिति पहले से मजबूत रहेगी। पार्टी को 25 से 30 सीटें मिल सकती है, जबकि पूर्व चुनाव में पार्टी मात्र 8 सीटें ही जीत पाई थी।
- सट्टा बाज़ार ने कांग्रेस को तीन सीटें मिलने की संभावना जताई है। पंद्रह साल सत्ता में रही कांग्रेस दिल्ली में अपने पैर जमाने के लिए संघर्ष कर रही है।
- दिल्ली में भाजपा का वोट शेयर हमेशा से 30 प्रतिशत से अधिक रहा है, पर, 27 सालों से पार्टी दिल्ली में सत्ता में नहीं आ पाई है। इस बार पार्टी की उम्मीद नरेन्द्र मोदी के सक्रिय चुनाव प्रचार पर टिकी है, साथ ही पार्टी का फोकस आप सरकार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को उभारने पर भी है।
- कांग्रेस की दिक्कत है, वोट शेयर में लगातार कमी होना, दूसरा, पार्टी के पास करिश्माई छवि वाला कोई नेता भी नहीं है और संगठनात्मक स्तर पर भी पार्टी बहुत कमज़ोर है।

सीटों के साथ भाजपा के लिए बहुत अच्छे लाभ की भविष्यवाणी की है। पिछले चुनावों में भाजपा को केवल 8 सीटें मिली थीं। इससे दिल्ली के राजनीतिक क्षेत्र में भाजपा की मजबूत होती स्थिति का संकेत मिलता है।

कांग्रेस के लिए साधारण प्रदर्शन की भविष्यवाणी की गई है और लगभग 3 सीटों पर विजय बताई है। हाल के वर्षों में आई गिरावट के बाद पार्टी दिल्ली की राजनीति में अपनी स्थिति सुधारने में लगी हुई है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने, 14 सी.ए.जी. रिपोर्ट सदन में पेश करने में देरी करने के लिए आप सरकार की आलोचना की है और संकेत दिए हैं कि इस तरह की देरी सरकार के इरादों के बारे में संदेह पैदा करती है। उक्त रिपोर्टों में आबकारी नीति पर रिपोर्ट भी शामिल है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयराम रमेश की याचिका पर केन्द्र व चुनाव आयोग को नोटिस

नयी दिल्ली, 15 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 1961 के चुनाव नियमों में हाल ही में किए गए संशोधनों को चुनौती देने वाली कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश की याचिका पर बुधवार को केन्द्र सरकार और चुनाव

- कांग्रेस महासचिव ने 1961 के चुनाव नियमों में संशोधनों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

आयोग को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने इस संबंध में आदेश पारित किया।

चुनाव नियमों में किए गए संशोधनों के तहत, सीसीटीवी और चुनाव से जुड़े अन्य दस्तावेजों तक लोगों की पहुंच प्रतिबंधित कर दी गई है।